10000 रु. Rs.10000

दस हज़ार रुपये

RUPEES TEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

04AA 001894 /14

46 (I) Pro (e)

23 I 'A' with the permission by L.R.D.C Simdega vide case no. 482/2012-13 order dt 12.8.13

13.5.14

15.5.14

(1) लेख्यकारी :- श्री सिप्रियन किन्डो पिता स्व0 सिन्तुस किन्डो जाति- उराँव, पेशा- खेतीबारी, निवास ग्राम- गौतरा ठाकुरटोली, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

विक्रेता ।

प्रमाण-पत्र संख्या :- 155/2014

INDIA NON JUDICIAL

१००० रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

(2) लेख्यधारिणी:- श्रीमती दोरोथिया डुंगडुंग पति श्री जोसेफ डुंगडुंग जाति- खड़िया, पेशा- गृहिणी, निवास ग्राम- गोतरा ठाकुरटोली, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. भारतीय नागरिक .. क्रेतिका ।

शपथ-पत्र संख्या:- 156/2014

(3) लेख्यप्रकार:- विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा दिन के वास्ते बिक्री होता है ।

(4) मूल्य:- मोबलिग तीन लाख सत्तर हजार रुपये अंके 3,70,000/- रुपये होता है ।

(5) सम्पति:- एराजियात अन्दर मौजा- गोतरा, थाना- सिमडेगा, थाना नं० 80, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला- सिमडेगा के खाता नं० 120 (एक सौ बीस) प्लॉट नं० 4996 रकबा 0.10½ एकड़ वो प्लॉट नं० 4997 रकबा 0.02¼ एकड़, जुमला रकबा 0.12¾ एकड़, जुमला चौहद्दी:-

उत्तर:- इसी प्लॉट का अंश सामुवेल उराँव का हाता,

दक्षिण:- इसी प्लॉट का अंश रास्ता 10' का कच्ची,

पूरब :- इसी प्लॉट में छोड़ा गया रास्ता कच्ची,

पश्चिम:- इसी प्लॉट का दूसरा भाग शोवानी सुरिन का मकान हाता ।

मालगुजारी 06 पैसा (छः पैसा) अलावे सेस सालाना । कुल एक खाता के दो प्लॉट का जुमला रकबा 0.12¾ एकड़ (पौने तेरह डिसमिल) सिर्फ ।

[illegible] 13/05/014

[illegible] 13/05/014

राजेन्द्र कुल्लू पिता स्व. इग्नास कुल्लू ग्राम कुरकुरा थाना कोलेबिरा जिला सिमडेगा 13/5/14

वर्णित बिक्रोत जमोन आवासीय है जिसपर मकान या किसी प्रकार का निर्माण नहीं है ।

§1§ चुँकि मुझ लेख्यकारो को इस समय बोमारो का ईलाज हेतु रूपयों को निहायत जरूरो है और बिना जमोन बेचे इस समय रूपया मिलने का कोई दूसरा उपाय नहीं है फलत: मैंने लेख्यधारिणो से मेरो जमोन खरोदने का प्रार्थना किया जिसे उन्होंने जमोन खरोदना एवं रूपये देना स्वोकार किया ।

§2§ इसलिए मैंने अपनो इच्छा से शरोर वो मन को स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमोन को उपर्युक्त लेख्यधारिणो के हाथ नगद कोमत चुकता पाकर बेचा वो बेचो गई जमोन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारिणो वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेचो गई जमोन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारो या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

13/05/0.14

वर्णित बिक्रोत जमोन आवासीय है जिसपर मकान या किसी प्रकार का निर्माण नहीं है ।

§1§ चुँकि मुझ लेख्यकारो को इस समय बोमारो का ईलाज हेतु रूपयों की निहायत जरूरो है और बिना जमोन बेचे इस समय रूपया मिलने का कोई दूसरा उपाय नहीं है फलत: मैंने लेख्यधारिणो से मेरो जमोन खरोदने का प्रार्थना किया जिसे उन्होंने जमोन खरोदना एवं रूपये देना स्वोकार किया ।

§2§ इसलिए मैंने अपनो इच्छा से शरोर वो मन को स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमोन को उपर्युक्त लेख्यधारिणो के हाथ नगद कोमत चुकता पाकर बेचा वो बेचो गई जमोन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारिणो वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेचो गई जमोन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारो या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

13/05/0.14

§3§ मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि वर्णित बिक्रीत जमीन खतियानी है जो आर.एस. में बलकू उराँव के नाम से खतियान में नाप दर्ज है जो मेरे परदादा थे। मेरे दादा एवं पिता की मृत्यु हो चुकी है उनकी मृत्यु के पश्चात हमलोगों का आपसी मौखिक भैयादी बँटवारा हो चुका है तथा आपसी मौखिक भैयादी बँटवारा के मुताबिक बिक्रीत जमीन मेरे हिस्से वो दखल की है जिसपर मेरा निर्विवाद हक दखल वो कब्जा है तथा किसी प्रकार का झगड़ा झंझट या वारदेन नहीं है।

§4§ चुँकि हम उभय पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य हैं अतः जमीन खरीद बिक्री हेतु अनुमति के लिए न्यायालय श्रीमान् उप समाहर्त्ता भूमि सुधार, सिमडेगा के न्यायालय में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम की धारा 46 के तहत आवेदन दिया जिसका वाद संख्या 482/2012-13 है जिसकी स्वीकृति दिनांक 19.08.013 को प्राप्त हुई तथा जिसका मेमो नं0 1046§11§ दिनांक 19.08.2013 है।

13/05/0.14

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

(5) अब चाहिए कि लेख्यधारिणी अपनी जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर मकान, सहन, कुँआ, बारी इत्यादि बनाकर अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख्य से वो अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

(6) इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला बैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

मैं, घोषणा करता हूँ कि विक्रय वाली जमीन भू-हदबन्दी, कैसरे हिन्द, खास महल, भू-दान, सैरात, लोज, आम गैर मजरूआ से सम्बन्धित नहीं है ।

13/5/014

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु.   Rs 500

भारत

पाँच सौ रुपये   FIVE HUNDRED RUPEES

मैं लेखयकारी यह घोषणा करता हूँ बिक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

प्रमाणित किया जाता है कि लेखकारी के बाँये हाथ का पाँचों अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष लिया गया।

संजय कुमार महतो
अधिवक्ता
13.05.2014

गिरिधर सिंह
13/5/0.14

गिरिधर सिंह
13/5/0.14

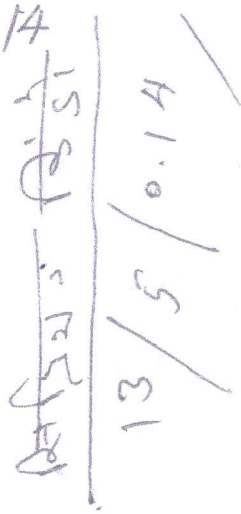

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रूपये ONE HUNDRED RUPEES

--7--

मैं लेख्यधारिणी यह घोषणा करती हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

दोरोथिया डुंगडुंग
13/5/014

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यधारिणी के बांये हाथ का पांचों अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष लिया गया।

संजय कुमार महतो
अधिवक्ता
13.05.2014

13/5/014

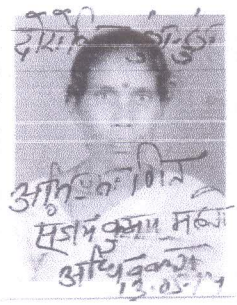

100Rs.

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना व समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- संजय कुमार महतो
अधिवक्ता
प्रारूपकर्त्ता
तारीख:- 13.05.2014

13/5/2014

100Rs.

--9--

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल नौ पृष्ठों में कुल 624 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित वो नक्शा के साथ संलग्न है ।

टंकक

मो० महबूब
13.5.2014

मो० महबूब
कचहरी परिसर,
सिमडेगा ।

दस्तावेज के पृष्ठ 02 में बारहवां एवं तेरहवां लाईन में मसकुक है। सो सही है।
द० मो० सो० है।

सिलिस्टर किडो
13/05/0.14

सिलिस्टर किडो
13/5/0.14

10000 रु. Rs.10000

दस हजार रुपये

RUPEES TEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

04AA 001894 /14

46 (1) Pro (e)

23 I A with the permission by L.R.D.C Simdega vide case no. 482/2012-13 order dt 12.8.13

13.5.14

15.5.14

13/5/14

(1) लेख्यकारी :- श्री सिप्रियन किन्डो पिता स्व0 तिन्तुस किन्डो जाति- उराँव, पेशा- खेतीबारी, निवास ग्राम- गोतरा ठाकुरटोली, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. .. विक्रेता ।

ग्रन्थ-पत्र संख्या :- 155/2014

13.05.14

--2--

INDIA NON JUDICIAL

१००० रु.   Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये   ONE THOUSAND RUPEES

--2--

§2§ लेख्यधारिणी:- श्रीमती दोरोथिया डुंगडुंग पति श्री जोसेफ डुंगडुंग जाति- खड़िया, पेशा- गृहिणी, निवास ग्राम- गोतरा ठाकुरटोली, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. भारतीय नागरिक .. क्रेतिका ।

शपथ-पत्र संख्या:- 156/2014

§3§ लेख्यप्रकार:- विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा दिन के वास्ते बिक्री होता है ।

§4§ मूल्य:- मोबलिग तीन लाख सत्तर हजार रूपये अंके 3,70,000/- रूपये होता है ।

§5§ सम्पति:- एराजियात अन्दर मौजा- गोतरा, थाना- सिमडेगा, थाना नं० 80, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला- सिमडेगा के खाता नं० 120 §एक सौ बीस§ प्लॉट नं० 4996 रकबा 0.10$\frac{1}{2}$ एकड़ वो प्लॉट नं० 4997 रकबा 0.02$\frac{1}{4}$ एकड़, जुमला रकबा 0.12$\frac{3}{4}$ एकड़, जुमला चौहद्दी:-

उत्तर:- इसी प्लॉट का अंश सामुवेल उराँव का हाता,

दक्षिण:- इसी प्लॉट का अंश रास्ता 10' का कच्ची,

पूरब :- इसी प्लॉट में छोड़ा गया रास्ता कच्ची,

पश्चिम:- इसी प्लॉट का दूसरा भाग शीवानी सुरिन का मकान हाता ।

मालगुजारी 06 पैसा §छ: पैसा§ अलावे सेस सालाना । कुल एक खाता के दो प्लॉट का जुमला रकबा 0.12$\frac{3}{4}$ एकड़ §पौने तेरह डिसमिल§ सिर्फ ।

बिरसुन्न बिंझिया 13/05/014

राजेश कुल्लू पिता स्व. इग्नाश कुल्लू ग्राम कुरकुरा थाना कामडारा जिला सिमडेगा 13/5/14

बिरसुन्न बिंझिया 13.5.14 13/05/014

1

वर्णित बिक्रोत जमोन आवासीय है जिसपर मकान या किसी प्रकार का निर्माण नहीं है ।

§1§ चुँकि मुझ लेख्यकारो को इस समय बोमारो का ईलाज हेतु रूपयों को निहायत जरूरो है और बिना जमोन बेचे इस समय रूपया मिलने का कोई दूसरा उपाय नहीं है फलत: मैंने लेख्यधारिणो से मेरो जमोन खरोदने का प्रार्थना किया जिसे उन्होंने जमोन खरोदना एवं रूपये देना स्वोकार किया ।

§2§ इसलिए मैंने अपनो इच्छा से शरोर वो मन को स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमोन को उपर्युक्त लेख्यधारिणो के हाथ नगद कोमत चुकता पाकर बेचा वो बेचो गई जमोन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारिणो वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेचो गई जमोन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारो या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

13/05/0.14

वर्णित बिक्रोत जमोन आवासीय है जिसपर मकान या किसी प्रकार का निर्माण नहीं है ।

§1§ चुँकि मुझ लेख्यकारो को इस समय बोमारो का ईलाज हेतु रूपयों की निहायत जरूरो है और बिना जमोन बेचे इस समय रूपया मिलने का कोई दूसरा उपाय नहीं है फलत: मैंने लेख्यधारिणो से मेरो जमोन खरोदने का प्रार्थना किया जिसे उन्होंने जमोन खरोदना एवं रूपये देना स्वोकार किया ।

§2§ इसलिए मैंने अपनो इच्छा से शरोर वो मन को स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमोन को उपर्युक्त लेख्यधारिणो के हाथ नगद कोमत चुकता पाकर बेचा वो बेचो गई जमोन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारिणो वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेचो गई जमोन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारो या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

13/05/0.14

§3§ मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि वर्णित बिक्रीत जमीन खतियानी है जो आर.एस. में बलकू उराँव के नाम से खतियान में नाप दर्ज है जो मेरे परदादा थे। मेरे दादा एवं पिता की मृत्यु हो चुकी है उनकी मृत्यु के पश्चात हमलोगों का आपसी मौखिक भैयादी बँटवारा हो चुका है तथा आपसी मौखिक भैयादी बँटवारा के मुताबिक बिक्रीत जमीन मेरे हिस्से वो दखल की है जिसपर मेरा निर्विवाद हक दखल वो कब्जा है तथा किसी प्रकार का झगड़ा झंझट या वारदेन नहीं है।

§4§ चुँकि हम उभय पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य हैं अतः जमीन खरीद बिक्री हेतु अनुमति के लिए न्यायालय श्रीमान् उप समाहर्त्ता भूमि सुधार, सिमडेगा के न्यायालय में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम की धारा 46 के तहत आवेदन दिया जिसका वाद संख्या 482/2012-13 है जिसकी स्वीकृति दिनांक 19.08.013 को प्राप्त हुई तथा जिसका मेमो नं0 1046§11§ दिनांक 19.08.2013 है।

13/05/0.14

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

(5) अब चाहिए कि लेख्यधारिणी अपनी जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर मकान, गहन, कुँआ, बारी इत्यादि बनाकर अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख्य से वो गअदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

(6) इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

मैं, घोषणा करता हूँ कि विक्रय वाली जमीन भू-हदबन्दी, कैसरे हिन्द, खास महल, भू-दान, सैरात, लीज, आम गैर मजरूआ से सम्बन्धित नहीं है ।

13/5/014

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

--6--

मैं लेखयकारी यह घोषणा करता हूँ बिक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

13/5/0.14

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यकारी के बाँये हाथ का पाँचों अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष लिया गया।

समय कुमार महतो

अधिवक्ता

13.05.2014

13/5/0.14

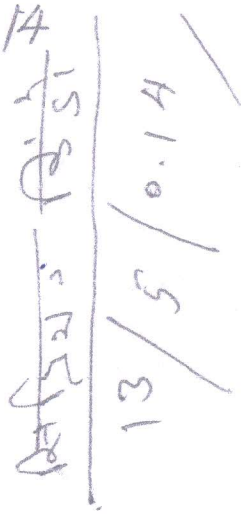

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु.

Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

--7--

मैं लेख्यधारिणी यह घोषणा करती हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

दौरोकिया डुंगडुंग
13/5/014

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यधारिणी के बांये हाथ का पांचों अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष लिया गया।

संतोष कुमार महतो
अधिवक्ता
13.05.2014

13/5/014

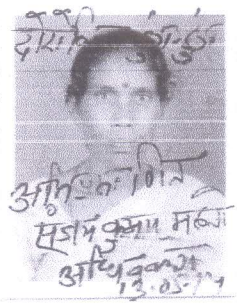

100Rs.

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना व समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- संजय कुमार महतो
अधिवक्ता
प्रारूपकर्त्ता
तारीख:- 13.05.2014

13/5/2014

100Rs.

--9--

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल नौ पृष्ठों में कुल 624 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित वो नक्शा के साथ संलग्न है ।

टंकक

मो० महबूब
13.5.2014

मो० महबूब
कचहरी परिसर,
सिमडेगा ।

दस्तावेज के पृष्ठ 02 में बारहवां एवं तेरहवां लाईन में मसकुक है। सो सही है।

द० मो० सा० है।

13/5/0.14

13/5/0.14